अभ्यास

पाठ कौशल (रचनात्मक मूल्यांकन)

सोचो और बताओ- (मौखिक)

प्र०(क) अच्छी और बुरी संगति का क्या परिणाम होता है?

उ० अच्छे लोगों का साथ करने से मनुष्य के अंदर अच्छे गुणों का विकास होता है और वह महान बनता है। किंतु बुरे लोगों की संगति करने से बुरी आदतें पड़ जाती हैं और वह व्यक्ति निंदनीय जीवन व्यतीत करता है। इसलिए सदैव अच्छे लोगों का ही साथ करना चाहिए।

प्र०(ख) कटुवादी लोगों का क्या इलाज बताया गया है?

उ० जैसे ऊपर से कड़ुए खीरे को काटकर नमक रगड़ा जाता है तब वह खाने योग्य होता है, उसी प्रकार कटुवादी लोगों को भी दंडित करना ही उनका सही इलाज है।

प्र०(ग) अमर बेल का उदाहरण क्या सिद्ध करने के लिए दिया गया है?

उ० अमर बेल का उदाहरण यह सिद्ध करने के लिए दिया गया है कि जब बिना जड़वाली अमर बेल का पालन करने वाला है तब उस परमपिता को छोड़कर इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं है, उसी परमात्मा पर पूरा विश्वास रखना चाहिए।

प्र०(घ) कुत्ते के चाटने को काटने के समान घातक क्यों बताया गया है?

उ० कुत्ते के चाटने को काटने के समान घातक इसलिए कहा गया है क्योंकि कुत्ते की लार जो चाटने से लग जाती है, वह भी हानिकारक होती है।

प्र०(ङ) रहीम ने भगवान विष्णु और भृगु का उदाहरण क्या बताने के लिए दिया है?

उ० रहीम ने भगवान विष्णु और भृगु का उदाहरण यह बताने के लिए दिया है कि महान व्यक्ति अपने से छोटों के अपराधों को क्षमा कर देते हैं।

संकलित मूल्यांकन- (लिखित)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-

प्र०(क) रहीम किन मनुष्यों को मरा हुआ समझते हैं?

उ० रहीम दो प्रकार के मनुष्यों को मरा हुआ समझते हैं। एक तो वे मनुष्य जो कहीं माँगने जाते हैं और दूसरे वे मनुष्य जो माँगने वाले को कुछ देने से मना कर देते हैं।

प्र०(ख) रहीमदास जी ने किसे बड़ा आदमी बताया है?

उ० रहीमदास जी ने उसे बड़ा आदमी कहा है जो गरीबों की भलाई करता है।

Scanned with CamScanner

प्र०(ग) थोड़े दिन की विपदा को रहीम ने क्यों अच्छा कहा है?

उ० थोड़े दिन की विपदा को रहीम ने इसलिए अच्छा कहा है क्योंकि उस समय अच्छे-बुरे, मित्र और कुमित्र की पहचान हो जाती है।

प्र०(घ) खीरे के मुख को काटकर नमक लगाकर क्यों मलते हैं?

उ० खीरे को काटकर उसके मुख पर नमक इसलिए मलते हैं जिससे खीरे की कड़ुवाहट दूर हो जाए।

प्र०(ङ) अमर बेल की क्या विशेषता होती है?

उ० अमर बेल की विशेषता यह होती है कि वह ज़मीन में जड़ के बिना पेड़ों पर फैलकर छा जाती है।

2. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाओ-

उ० (क) सुदामा [✓] एक गरीब ब्राह्मण थे और श्रीकृष्ण के मित्र थे।

(ख) संदीपन गुरु के आश्रम में श्रीकृष्ण और सुदामा [✓] पढ़ते थे।

(ग) मेंहदी से उपकारी [✓] की तुलना की गई है।

(घ) सच्चरित्र लोगों के ऊपर कुसंग [✓] का प्रभाव नहीं पड़ता है।

(ङ) अपनी उष्णता मिटाने के लिए साँप [✓] चंदन के पेड़ से लिपटे रहते हैं।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

उ० (क) हमें छोटे लोगों की गलती को क्षमा कर देना चाहिए।

(ख) हमें याचक की इज्ज़त रखनी चाहिए।

(ग) हमें दुष्ट लोगों से संबंध नहीं रखना चाहिए।

(घ) विपत्ति के समय ही अच्छे मित्रों की पहचान होती है।

(ङ) हमें ईश्वर का ध्यान हमेशा रखना चाहिए।

4. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ-

उ० शब्द	वाक्य
उत्पात	हमें छोटों के उत्पात को क्षमा कर देना चाहिए।
प्रीति	बैर और प्रीति छिपती नहीं है।
उपकारी	उपकारी व्यक्ति का सर्वत्र आदर होता है।
कुसंग	कुसंग से व्यक्ति का जीवन नष्ट हो जाता है।
प्रकृति	हम जल्दी किसी की प्रकृति नहीं बदल सकते।

Scanned with CamScanner

भाषा कौशल

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखो-

उ० शब्द		विलोम	शब्द		विलोम
सुख	×	दुख	उपकार	×	अपकार
गरीब	×	अमीर	उत्तम	×	अधम
विष	×	अमृत	भीतर	×	बाहर
हित	×	अनहित, अहित	पाताल	×	आकाश

2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद करो-

उ० शब्द	वर्ण विच्छेद
रहिमन	र् + अ + ह् + इ + म् + अ + न् + अ
विपरीत	व् + इ + प् + अ + र् + ई + त् + अ
उपकारी	उ + प् + अ + क् + आ + र् + ई
प्रकृति	प् + र् + अ + क् + ऋ + त् + इ
पाताल	प् + आ + त् + आ + ल् + अ

रचनात्मक कौशल

1. कौन-सा व्यक्ति ईश्वर के समान हो सकता है?

उ० जो व्यक्ति असहाय, निर्धन, दुखी तथा गरीब व्यक्तियों की सहायता करता है, वह ईश्वर के समान हो सकता है। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस में कहा है-

परहित सरिस धरम नहि भाई।
पर पीड़ा सम नहि अधमाई।।

महर्षि वेदव्यास ने भी कहा है-

अष्टादश पुराणेषु, व्यासस्य वचनद्वयम्।
परोपकारः पुण्याय, पापाय परपीडनम्।।

2. अपनी पसंद से पाँच दोहे कंठस्थ करके इनका स्वर पाठ करो।

उ० सभी विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

Scanned with CamScanner